

## Buddhism in Everyday Life

### Founder's Reflections

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्क्यो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निच्चिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एवं कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

Living the Lotus  
Vol. 194 (November 2021)

Senior Editor: Keiichi Akagawa  
Editor: Kensuke Osada  
Copy Editor: Parmita Shekhar

Living the Lotus is published monthly  
by Rissho Kosei-kai International,  
Fumon Media Center, 2-7-1 Wada,  
Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan.  
TEL: +81-3-5341-1124  
FAX: +81-3-5341-1224  
Email: living.the.lotus.rk-international  
@kosei-kai.or.jp

### दूसरों की दया का ऋण चुकाना

जब मैंने पूरे जापान में रिश्शो कोसेइ काइ के सदस्यों के साथ अपना अठासीवाँ जन्मदिन मनाया, तो मुझे सबसे ज्यादा खुशी हुई, जब सभी के चेहरों पर खुशी की मुस्कान देखा; उन्होंने मुझे बताया कि वे अब कितने खुश हैं। इसने मुझे उस खुशी की याद दिला दी जो दूसरों को खुशी का अनुभव कराने से आता है।

मेरे जन्म का शहर लगभग आधे वर्ष तक तीन मीटर भारी बर्फ के नीचे दबा रहा, लेकिन ग्रामवासियों ने एक-दूसरे की मदद करके उस बर्फ के नीचे अपना जीवन यापन किया। मेरा बारह लोगों का एक बड़ा परिवार था, लेकिन हमारे बीच कभी ऐसा कुछ नहीं हुआ, जिसे आप झगड़ा कह सकें। जब मैंने प्राथमिक विद्यालय में प्रवेश किया, तो अध्यक्ष की बातों ने मुझे देवताओं और बुद्धों के प्रति श्रद्धा का महत्व सिखाया, मैं वही व्यक्ति हूँ, जो मैं आज हूँ, और उन अनगिनत लोगों को धन्यवाद करता हूँ, जिनकी दया से उनसे कर्म संबंधों के माध्यम से जुड़ा हूँ और जिनके साथ बुद्ध धर्म को साझा करने में सक्षम हूँ।

कुछ लोग कहते हैं कि जब वे अपने द्वारा प्राप्त किए गए हर एक अनुग्रह को गिनते हैं, तो यह उनके इस सोच को प्रतिबिंबित करता है कि वे दूसरों की उदारता को कितना कम चुका पाये हैं।

हर दिन मैं अपने आप सोचता हूँ कि मुझे कम से कम एक और दिन जीना चाहिए, ताकि मैं दूसरों से दया का पहाड़ रूपी ऋण को कमकर सकूँ, जिनने हमें जीवन में आभार का उपहार दिया है।

निक्क्यो निवानो, काइसो जुइकान 10 (कोसेइ प्रकाशन, 1997), पीपी. 98-99

“लिविंग द लोटस: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ” का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।



## President's Message

# अपनी दोषों को स्वीकार करना क्यों आवश्यक है?

निचिको निवानो  
प्रेसिडेण्ट, रिश्शो कोसेइ काइ

## क्योंकि हम उच्च लक्ष्य रखते हैं, हमें अपने दोषों को स्वीकार करना है

मासाहिरो यासुओका (१८९८-१९८३), पूर्वी दर्शन के एक प्रसिद्ध विशेषज्ञ, के अनुसार मनुष्यों में उच्चतम, सबसे सम्मानित, पृथ्वी का सबसे बड़ा नाम होने की जन्मजात इच्छा होती है, और उस इच्छा से उत्पन्न होता है, क्रियाकलाप से सम्मान का मन पैदा होता है और देवताओं और बुद्धों का सम्मान करते हैं। साथ ही, वे हमें बताते हैं, क्यों हमारा लक्ष्य मनुष्य के रूप में बेहतर करना है? जब हम उत्पन्न कमियों के बारे में जागरूक हो जाते हैं, तो वह जन्मजात इच्छा मन को उत्पन्न करती है, जो हमारे दोषों को प्रतिबिंबित करता है और हम पछताते हैं। दूसरे शब्दों में, स्वीकृति और पश्चाताप की प्रक्रिया मानव मन का पोषण करती है और विस्तार से, मानवता की प्रगति और सुधार का समर्थन करती है।

हालाँकि, सामान्य प्रवृत्ति है कि स्वीकारने और पश्चाताप करने को कुछ लोग शर्मनाक मानते हैं। उदाहरण के लिए, शब्दकोश के अनुसार पश्चाताप करना अपने "गलत कार्य के प्रति सजगता है, ईमानदारी से इसे अन्य लोगों और बुद्ध के सामने स्वीकार करना, और संशोधन करना है," जो अंधकार एवं नकारात्मक होने का भाव देता है। इसलिए कुछ लोग सोच सकते हैं कि अपनी गलतियों को स्वीकारने और औरों के समक्ष पश्चाताप करने को लज्जित करनेवाला शर्मनाक और अप्रिय मानते हैं।

हालाँकि चूँकि हमारा जीवन और मानव सुधार के आदर्श रूप की ओर हमारा प्रयास स्वीकृति और पश्चाताप के मन को जन्म देता है, जो आत्म-सुधार का प्रयास करने के लिए हमारी सकारात्मक इच्छा की अभिव्यक्ति हैं। स्वीकृति और पश्चाताप को शर्मनाक और अप्रिय मानने के बजाय, मुझे लगता है कि अपनी असफलताओं और कमियों के प्रति कुछ असुविधायें महसूस करना है, जब हम खुद को सुधारते हैं।

त्रिविध पुण्डरीक सूत्र, जिससे हम सभी अच्छी तरह से परिचित हैं, बोधिसत्व समन्तभद्र (संक्षेप में समन्तभद्र का चिंतन) के समाधि विधि सूत्र के साथ समाप्त होता है, जिसका विषय स्वीकृति और पश्चाताप का प्रदर्शन करता है, जो पुण्डरीक सूत्र की धर्मदेनाओं के अभ्यास को जारी रखने के लिए आवश्यक साधन हैं। आखिरकार, हम कितने भी लगन से अभ्यास करें, हम विकर्षणों के शिकार हो जाते हैं और अपनी सभी कमियों को महसूस करने में असमर्थ होते हैं, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि हमारा मन हमेशा स्वीकृति और पश्चाताप का प्रदर्शन कर सके। जब वह मन अध्यवसाय के साथ अभ्यास से एक हो जाता है, तो वह हमारे आध्यात्मिक विकास को गति देता है।

संक्षेप में, हममें आदर्शों की खोज में जीवन जीने से स्वीकृति और पश्चाताप उत्पन्न होता है। दूसरे शब्दों में,

स्वीकृति और पश्चाताप इस बात का प्रमाण है कि हम अपने बुद्ध स्वभाव के कामकाज के माध्यम से स्वयं को सुधारते हैं और इस बात का प्रमाण देता है कि हम बोधिसत्त्व हैं। उस मामले में, हम यह भी कह सकते हैं कि

### कोशिश करो और फिर से कोशिश करो

हाल ही में टोक्यो ओलंपिक के दौरान, एक एथलीट जो आगे बढ़ने में विफल रहा, उसने प्रेस से टिप्पणी में कहा: "मैं समीक्षा करूँगा कि मेरे प्रदर्शन में क्या कमी थी, जिसने मुझ पर गहरा प्रभाव डाला और क्या सुधार करने का लक्ष्य है,"। इस एक उदाहरण से भी, आप देख सकते हैं कि जीवन में असफलता को स्वीकार करना और स्वयं को सुधारना एक समान है।

हालाँकि, यह भी जीवन का एक तथ्य है कि जो लोग स्वीकृति और पश्चाताप को जारी रखने में असमर्थ हैं, उन्हें अपनी असफलताओं और पछतावे को दोहराना पड़ सकता है। कुछ ऐसे लोग संकीर्ण सोच से स्वयं को दुःखी कर लेते हैं। एक बार गलती मान लेने और पछताने के बाद वे फिर कभी वही गलती नहीं कर सकते। अपने दोषों को स्वीकार करने और अपने विश्वास के रूप में स्वीकृति और पश्चाताप का अभ्यास करने के लिए प्रयास करना महत्वपूर्ण है। लेकिन यदि ऐसा करना एक जुनून बन जाता है, तो आप अंततः स्वयं को और अन्य को उस चीज़ के लिए दोषी ठहरा सकते हैं, जिसे आप बदल या नियंत्रित नहीं कर सकते हैं।

बोधिसत्त्व के समाधिविधि सूत्र के अनुसार, "बोधिसत्त्व का समाधिविधि नहीं तो भ्रम के बंधन को काटता है और नहीं तो भ्रम के समुद्र में डूबता है।" हमारे लिए, जिनमें दोष हैं, संस्थापक निवानो ने एक जीवनरक्षक नौका दी है, जिसमें उन्होंने कहा है, "यदि आपको लगता है कि आप एक कमजोर व्यक्ति हैं, गलतियाँ करने की प्रवृत्ति है, तो बस अपनी सोच बदलें और अपने बारे में एक नया निर्णय लें। यदि आप इस वर्ष सफल नहीं हैं, तो संकल्प करें कि आप अगले वर्ष अवश्य सफल होंगे।"

जब आप अपने आप को नंगा रखते हैं, ठीक वैसे ही जैसा आप हैं - आपके अच्छे गुण और साथ ही आपके बुरे अवगुण - देवताओं और बुद्धों की उपस्थिति में, आपके मन को शुद्ध करते हैं। और फिर, आप एक नई शुरुआत कर सकते हैं। स्वीकृति और पश्चाताप उस छड़ी की तरह है जो हमें कठिन अभ्यास के मार्ग पर हममें संबल करती है और हमें हमारी मानवता को धीरे-धीरे विकसित होने में मदद करती है।

मैंने कहीं पढ़ा है कि जब लोग वह करने में तल्लीन होते हैं, जो करने की आवश्यकता है, वे भगवान के सबसे करीब होते हैं। बोधिसत्त्व के समाधिविधि सूत्र से उद्धृत है:

यदि आप स्वीकृति और प्रायश्चित्त करना चाहते हैं,

अवश्य सम्यक रूप में बैठकर परमार्थ सत्य का चिंतन करें।

इसलिए स्वीकृति और पश्चाताप का अभ्यास करनेवाले के लिए, यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने आत्मकेन्द्रित विचार का त्याग करें और हर दिन को पूर्णतः जीयें।

From Kosei, November 2021.



# कॉमिक्स के माध्यम से रिश्शो कोसेइ काइ का परिचय

## संस्थापक का जीवन और रिश्शो कोसेइ काइ का इतिहास

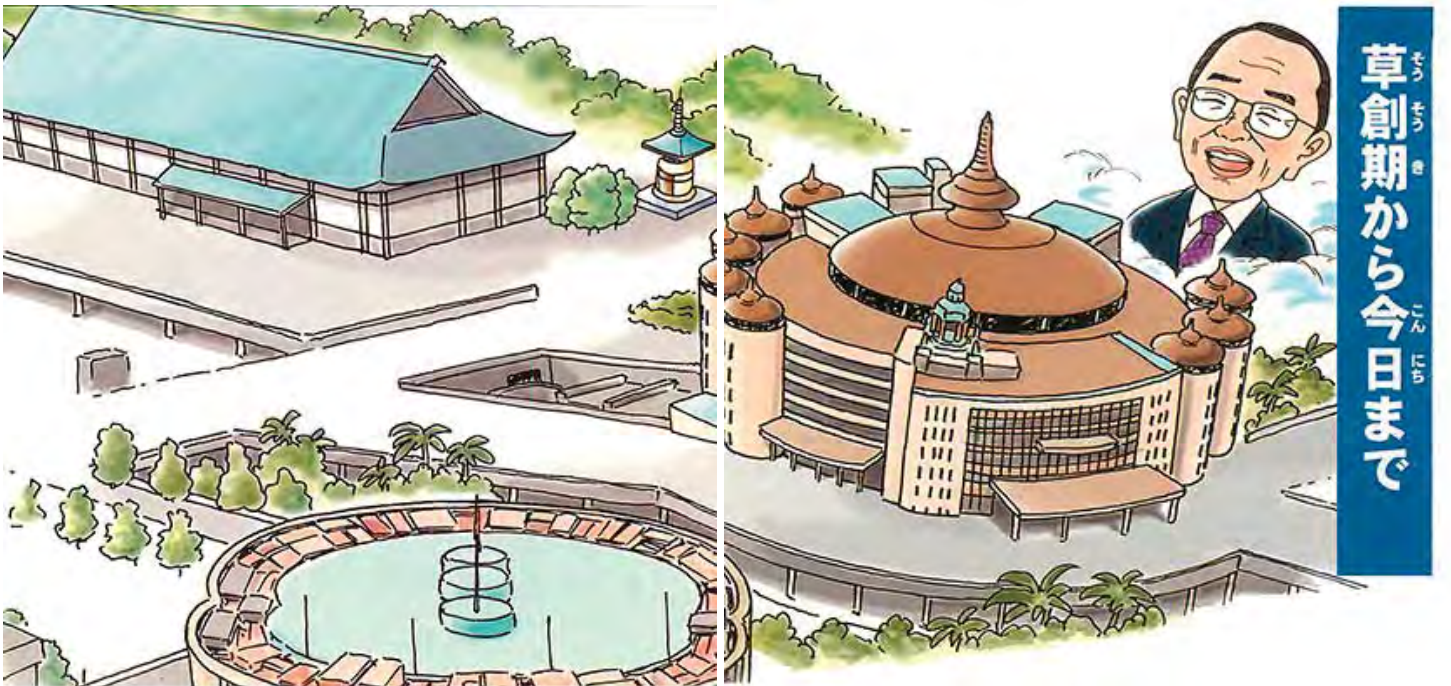
### रिश्शो कोसेइ काइ अपने आरंभ के दिनों से आज तक

संस्थापक निवानो और सहसंस्थापक मायोको नागानुमा ने इस प्रक्रिया के दौरान अपने सदस्यों के साथ कई कठिनाइयों को साझा किया, जिससे रिश्शो कोसेइ काइ आज के बड़े संगठन में विकसित हुआ है।

द्वितीय विश्व युद्ध से पहले भी, जापानी अधिकारियों का धार्मिक संगठनों पर सख्त नियंत्रण था। संस्थापक और सहसंस्थापक दोनों को एक बार युद्ध के दौरान एक स्थानीय पुलिस स्टेशन द्वारा इस संदेह के आधार पर हिरासत में लिया गया था कि उनका आध्यात्मिक मार्गदर्शन लोगों को भ्रमित कर रहा था। हालाँकि, शिक्षाओं की धार्मिकता और उनके निर्देशित सिद्धांतों के बारे में उनकी ईमानदारी से व्याख्या के कारण संदेह दूर हो गया और उन्हें छोड़ दिया गया। जीवन की असुविधाजनक परिस्थितियों के बीच भी, संस्थापक ने इसे अपने धार्मिक अनुशासन का हिस्सा माना।

इसके अलावा, संस्थापक अपने धार्मिक क्रियाकलाप पर ध्यान केंद्रित करने के लिए दस वर्ष तक अपनी पत्नी और बच्चों से अलग रहे थे। 1957 में जब सहसंस्थापक का निधन हो गया, तो संगठन इस दुःखद घटना से गुजरा। इस तरह की कठिनाइयों पर काबू पाकर ही, रिश्शो कोसेइ काइ विकसित हुआ है और अब एक ऐसा संगठन है जिसे असंख्य लोगों द्वारा मान्यता प्राप्त है।

अब, आइए रिश्शो कोसेइ काइ के इतिहास को जानें, जिसकी स्थापना 1938 में हुई थी।



\* इस सामग्री का कोई भी पुनरुत्पादन या पुनर्प्रकाशन व्यक्तिगत, गैर-व्यावसायिक और सूचनात्मक उपयोग के लिए पुनरुत्पादन के अलावा निषिद्ध है।



## पुण्डरीक सूत्र के साथ मुठभेड़



संस्थापक को सत्ताईस वर्ष की उम्र में पुण्डरीक सूत्र का सामना हुआ, उसके पूर्व ही उनका विवाह हो चुका था और अचार की दुकान चलाते थे।

एक दिन उनकी दूसरी पुत्री को बहुत तेज बुखार हो गया। उस समय, संस्थापक को याद आया कि उन्हें श्री सुकेनोबु अराईं से मिलने की सलाह दी गई थी। जब वे परेशान थे, फिर भी उनसे मिलने का फैसला लिया। इस प्रकार संस्थापक का सामना पुण्डरीक सूत्र से हुआ।

जैसा कि श्री अराइ ने सलाह दी, संस्थापक ने बौद्ध के पूजास्थल के सामने पुण्डरीक सूत्र का पाठ किया, और उनकी पुत्री का बुखार गायब हो गया, जैसे कि उनकी प्रार्थना का उत्तर दिया गया हो। इस घटना ने संस्थापक को पुण्डरीक सूत्र का अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया।

i सुकेनोबु अराईं, जो चीनी क्लासिक के साथ-साथ पुण्डरीक सूत्र में अच्छी तरह से वाकिफ थे, बौद्ध संगठन रेयुकाई के टोक्यो क्षेत्र के लीडर में से एक थे। संस्थापक उनसे पहली बार 1935 में मिले थे।

### ☀ क्या तुम्हें पता था?

संस्थापक ने 1930 में साईं आबे से शादी की। बाद में उन्होंने अपना पहला नाम बदलकर नाओको कर लिया। जब उनकी पहली शादी हुई तो वे किराए के कमरे में रहते थे और अचार की दुकान में काम करते थे। बाद में, संस्थापक ने टोक्यो के नाकानो में होंगो स्ट्रीट पर अपनी स्वयं की दुकान, "रक्क्यू-या" स्थापित की।

## Director's Column

### सकारात्मक मन के साथ स्वीकृति और पश्चाताप का अभ्यास करें

रेवरेन्ट केइइची आकागावा  
निदेशक, रिश्शो कोसेइ काइ इन्टरनेशनल

पिछले तीन वर्षों से, प्रेसिडेन्ट निचिको निवानो अपने मासिक संदेशों में त्रिविध पुण्डरीक सूत्र के प्रत्येक परिवर्त की खोज कर रहे हैं, प्रत्येक में वर्णित सार को स्पष्ट करते हैं। इस महीने और अगले महीने, उन्होंने बोधिसत्व समन्तभद्र समाधिविधि सूत्र पर चर्चा की जो त्रिविध पुण्डरीक सूत्र के समापन सूत्र है।

जब मैंने इस महीने के संदेश को पढ़ा, “अपने दोषों को स्वीकार करना क्यों आवश्यक है?” मुझे जल्द ही इस वर्ष के लिए प्रेसिडेन्ट के नव वर्ष के संदेश की याद आ गई। इस संदेश में, “आइए हम प्रतिबिंबित करें और बनाएँ,” प्रेसिडेन्ट निवानो ने हमें समीक्षा करने के लिए प्रोत्साहित किया है कि हमें क्या प्रतिबिंबित करना चाहिए और हमें क्या समाप्त करना चाहिए। कोविड-19 महामारी का पुनर्विचार करने के अवसर के रूप में लेते हुए, वास्तव में मनुष्य को अधिकांश क्या महत्व देना चाहिए। उनके नव वर्ष के संदेश के लिए धन्यवाद, मेरा मानना है कि मेरे पास स्वयं को प्रतिबिंबित करने के लिए अधिक अवसर हैं।

अधिकांश लोग स्वीकृति एवं पश्चाताप को कुछ निराशाजनक और शर्मनाक मान सकते हैं। रिश्शो कोसेइ काइ में, हालाँकि हमें सिखाया जाता है कि स्वीकृति एवं पश्चाताप का अर्थ है “किसी को अपनी गलतियों के बारे में जागरूक होना,” “उनमें संशोधन करने का संकल्प करना,” और “बुद्ध मार्ग का अनुसरण करने के लिए स्वयं को समर्पित करना।” एक बौद्ध अभ्यासी के रूप में, इन बातों को ध्यान में रखते हुए, मुझे आशा है कि हम सभी अपने दैनिक जीवन में अपनी स्वीकृति एवं पश्चाताप के तरीके की फिर से जाँच करेंगे।

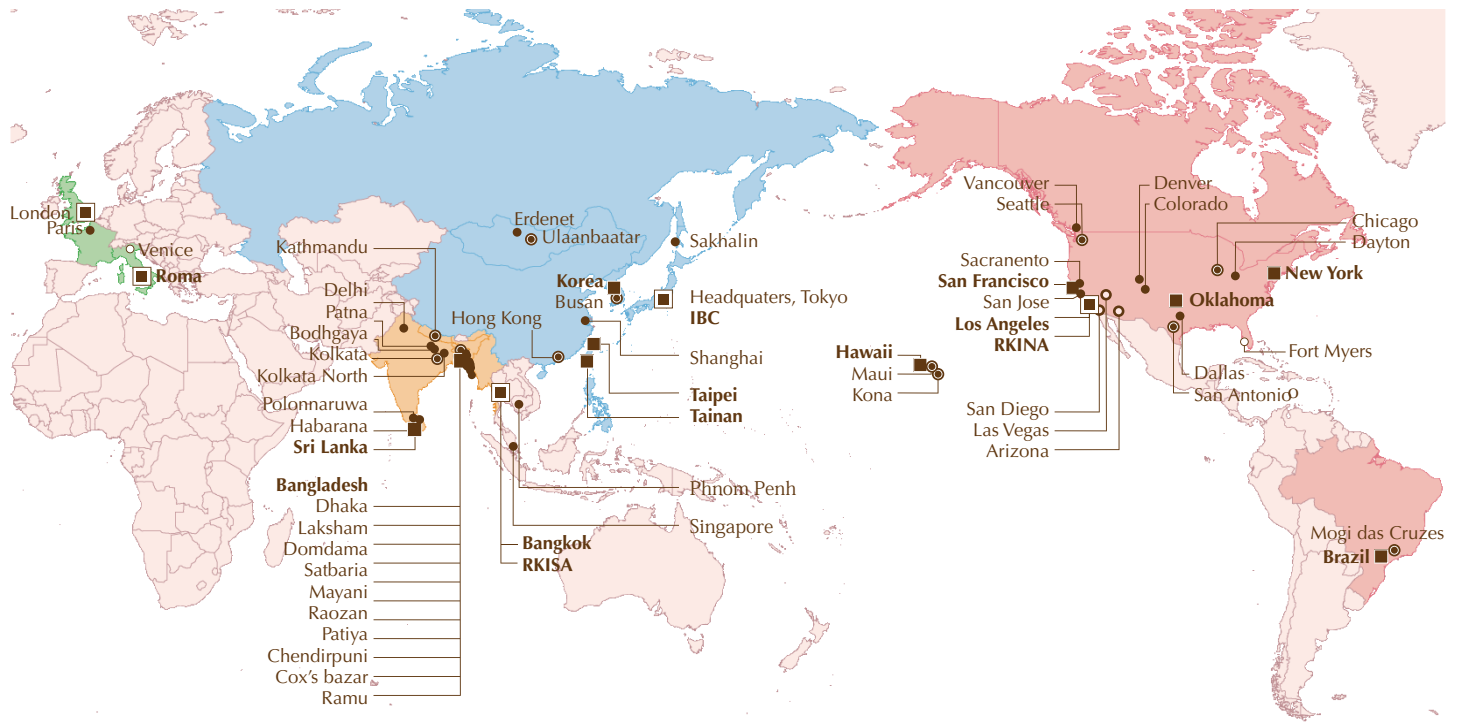
जब हम एक सकारात्मक मन के साथ स्वीकृति एवं पश्चाताप को दोहराते हैं और अपने मन को साफ और तरोताजा रखते हैं, तो आइए हम “दूसरों को पहले रखने” की भावना से बोधिसत्व मार्ग का अभ्यास करना जारी रखें।



We welcome comments on our newsletter Living the Lotus: [living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp](mailto:living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp)



# Rissho Kosei-kai: A Global Buddhist Movement



## Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, USA  
 TEL: 1-808-455-3212 FAX: 1-808-455-4633  
 Email: sangha@rkhawaii.org URL: <http://www.rkhawaii.org>

## Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center

1809 Nani Street, Wailuku, HI 96793, USA  
 TEL: 1-808-242-6175 FAX: 1-808-244-4625

## Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center

73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, USA  
 TEL: 1-808-325-0015 FAX: 1-808-333-5537

## Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, USA  
 POBox 33636, CA 90033, USA  
 TEL: 1-323-269-4741 FAX: 1-323-269-4567  
 Email: rk-la@sbcglobal.net URL: <http://www.rkina.org/losangeles.html>

Please contact Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas**

## Rissho Kosei-kai of San Francisco

1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, USA  
 POBox 778, Pacifica, CA 94044, USA  
 TEL: 1-650-359-6951 Email: [info@rksf.org](mailto:info@rksf.org)

Please contact Rissho Kosei-kai of San Francisco

- Rissho Kosei-kai of Sacramento**
- Rissho Kosei-kai of San Jose**

## Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, USA  
 TEL: 1-212-867-5677 Email: [rkny39@gmail.com](mailto:rkny39@gmail.com) URL: <http://rk-ny.org>

## Rissho Kosei-kai of Chicago

1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, USA  
 TEL: 1-773-842-5654  
 Email: [murakami4838@aol.com](mailto:murakami4838@aol.com) URL: <http://rkchi.org>

## Rissho Kosei-kai of Fort Myers

URL: <http://www.rkftmyersbuddhism.org>

## Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

2745 N.W. 40th St., Oklahoma City, OK 73112, USA  
 POBox 57138, Oklahoma City, OK 73157, USA  
 TEL: 1-405-943-5030 FAX: 1-405-943-5303  
 Email: [rkokdc@gmail.com](mailto:rkokdc@gmail.com) URL: <http://www.rkok-dharmacenter.org>

## Rissho Kosei-kai Dharma Center of Denver

1255 Galapago St. #809 Denver, CO 80204, USA  
 TEL: 1-303-446-0792

## Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton

617 Kling Drive, Dayton, OH 45419, USA  
 URL: <http://www.rkina-dayton.com>

## The Buddhist Center Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

2707 East First St., Suite #1, Los Angeles, CA 90033, USA  
 TEL: 1-323-262-4430 FAX: 1-323-269-4567  
 Email: [dharmasa@rksabuddhistcenter.org](mailto:dharmasa@rksabuddhistcenter.org)  
 URL: <http://rksabuddhistcenter.org>

## Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio

(Address) 6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, USA  
 (Mail) POBox 692148, San Antonio, TX 78249, USA  
 TEL: 1-210-558-4430 FAX: 1-210-696-7745  
 Email: [dharmasanantonio@gmail.com](mailto:dharmasanantonio@gmail.com)  
 URL: <http://www.rkina.org/sanantonio.html>

## Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center

28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, USA  
 TEL: 1-253-945-0024 Email: [rkseattlewashington@gmail.com](mailto:rkseattlewashington@gmail.com)  
 URL: <http://buddhistlearningcenter.org>

## Rissho Kosei-kai of Vancouver

Please contact RKINA

## Rissho Kosei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP, CEP 04116-060, Brasil  
 TEL: 55-11-5549-4446, 55-11-5573-8377  
 Email: [risho@rkk.org.br](mailto:risho@rkk.org.br) URL: <http://www.rkk.org.br>

**Rissho Kosei-kai de Mogi das Cruzes**

Av. Ipiranga 1575-Ap 1, Mogi das Cruzes-SP, CEP 08730-000, Brasil

**在家佛教韓國立正佼成會**

〒 04420 大韓民國 SEOUL 特別市龍山區漢南大路 8 路 6-3  
6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea  
TEL: 82-2-796-5571 FAX: 82-2-796-1696

**在家佛教韓國立正佼成會釜山支部**

〒 48460 大韓民國釜山廣域市南區水營路 174, 3F  
3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea  
TEL: 82-51-643-5571 FAX: 82-51-643-5572

**社團法人在家佛教立正佼成會**

台灣台北市中正區衡陽路 10 號富群資訊大廈 4 樓  
4F, No. 10, Hengyang Road, Jhongheng District, Taipei City 100, Taiwan  
TEL: 886-2-2381-1632, 886-2-2381-1633 FAX: 886-2-2331-3433

**台南市在家佛教立正佼成會**

台灣台南市東區崇明 23 街 45 號  
No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan  
TEL: 886-6-289-1478 FAX: 886-6-289-1488  
Email: koseikaitainan@gmail.com

**Rissho Kosei-kai South Asia Division**

Thai Rissho Friendship Foundation  
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand  
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

**Rissho Kosei-kai of Kathmandu**

Ward No. 3, Jhamsikhel, Sanepa-1, Lalitpur, Kathmandu, Nepal

**Rissho Kosei-kai of Kolkata**

E-243 B. P. Township, P. O. Panchasayar, Kolkata 700094, India

**Rissho Kosei-kai of Kolkata North**

AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,  
West Bengal, India

**Rissho Kosei-kai of Bodhgaya Dharma Center**

Ambedkar Nagar, West Police Line Road, Rumpur, Gaya-823001,  
Bihar, India

**Rissho Kosei-kai of Patna Dharma Center**

Please contact Rissho Kosei-kai of Kolkata

**Rissho Kosei-kai of Central Delhi**

77 Basement D.D.A. Site No. 1, New Rajinder Nagar,  
New Delhi 110060, India

**Rissho Kosei-kai of Singapore**

Please contact Rissho Kosei-kai International

**Rissho Kosei-kai of Phnom Penh**

W.C. 73, Toul Sampaov Village, Sangkat Toul Sangke, Khan Reouseykeo,  
Phnom Penh, Cambodia

**RKISA Rissho Kosei-kai International of South Asia**

Thai Rissho Friendship Foundation  
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand  
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

**Rissho Kosei-kai of Bangkok**

Thai Rissho Friendship Foundation  
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand  
TEL: 66-2-716-8216 FAX: 66-2-716-8218 Email: info.thairissho@gmail.com

**Rissho Kosei Dhamma Foundation**

No. 628-A, Station Road, Hunupitiya, Wattala, Sri Lanka  
TEL: 94-11-2982406 FAX: 94-11-2982405

**Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa**

Please contact Rissho Kosei Dhamma Foundation

**Rissho Kosei-kai Bangladesh**

85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh  
TEL: 880-2-41360470

**Rissho Kosei-kai Mayani**

Mayani Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Damdama**

Damdama Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Satbaria**

Village: Satbaria Bepari Para, Chandanaih, Chittagong, Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Chendhirpuni**

Village: Chendhirpuni, P.O.: Adhunogar, P.S.: Lohagara, Chittagong,  
Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Raozan**

Dakkhin Para, Ramzan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Laksham**

Village: Dhupchor, Laksham, Comilla, Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Dhaka**

408/8 DOSH, Road No 7 (West), Baridhara, Dhaka, Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Cox's Bazar**

Ume Burmize Market, Tekpara, Sadar, Cox's Bazar, Bangladesh

Please contact Rissho Kosei-kai Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Patiya****Rissho Kosei-kai Ramu****Rissho Kosei-kai Aburkhiln****Buddiyskiy khram "Lotos"**

4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk 693005, Russia  
TEL: 7-4242-77-05-14

**Rissho Kosei-kai of Hong Kong**

Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road, North Point, Hong Kong, China

**Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai****Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar**

(Address) 15F Express Tower, Peace avenue, khoro-1, Chingeltei district,  
Ulaanbaatar 15160, Mongolia  
(Mail) POBox 1364, Ulaanbaatar-15160, Mongolia  
TEL: 976-70006960 Email: rkkmongolia@yahoo.co.jp

**Rissho Kosei-kai of Erdenet**

Please contact Rissho Kosei-kai International

**Rissho Kosei-kai di Roma**

Via Torino, 29, 00184 Roma, Italia  
TEL/FAX: 39-06-48913949 Email: roma@rk-euro.org

Please contact Rissho Kosei-kai di Rome

**Rissho Kosei-kai of Paris****Rissho Kosei-kai of Venezia****Rissho Kosei-kai of the UK**

29 Ashbourne Road, London W5 3ED, UK  
TEL: 44-20-8933-3247 Email: info@rkuk.org URL: <https://www.rkuk.org>  
Facebook: <https://www.facebook.com/rkuk.official>  
Twitter: [https://twitter.com/rkuk\\_official](https://twitter.com/rkuk_official)  
Instagram: [https://www.instagram.com/rkuk\\_official](https://www.instagram.com/rkuk_official)

**Rissho Kosei-kai International Buddhist Congregation (IBC)**

166-8537 東京都杉並区和田 2-7-1 普門メディアセンター 3F  
Fumon Media Center 3F, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan  
TEL: 03-5341-1230 FAX: 03-5341-1224 URL: <http://www.abc-rk.org>